

हीरापुरा उप स्वास्थ्य केंद्र पर लटकता ताला

हाजिरी के बाद गायब हो जाते हैं कर्मचारी, ग्रामीणों ने स्वास्थ्य सेवाओं पर उठाए गंभीर सवाल

नवभारत न्यूज

श्योपुर, 8 अक्टूबर। ग्रामीण अंचलों में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने के सरकारी दावों की पोल रघुनाथपुर इलाके के हीरापुरा उप स्वास्थ्य केंद्र की बदहाल स्थिति खोल रही है।

स्वास्थ्य केंद्र की कार्यप्रणाली से नाराज ग्रामीणों ने गंभीर आरोप लगाते हुए बताया कि यहां पदस्थ कर्मचारी केवल अपनी उपस्थिति (हाजिरी) दर्ज कराने के बाद केंद्र पर ताला लगाकर रफूचकर हो जाते हैं। नतीजा यह है कि दूर-दराज से इलाज की उम्मीद लेकर आने वाले मरीजों को मायूस होकर लौटना पड़ रहा है।



सबसे ज्यादा परेशानी – इस व्यवस्था की मार सबसे अधिक बुजुर्गों, महिलाओं और छोटे बच्चों पर पड़ रही है, जिन्हें स्वास्थ्य लाभ के लिए अनावश्यक परेशानियों से जूझना पड़ता है।

हाजिरी व्यवस्था और कार्यप्रणाली पर उठे सवाल

स्वास्थ्य सेवाएं भगवान भरोसे, मरीजों की बढ़ रही फजीहत

ग्रामीणों के अनुसार, उप स्वास्थ्य केंद्र का मूल उद्देश्य स्थानीय स्तर पर ही लोगों को प्राथमिक चिकित्सा और दवाइयां उपलब्ध कराना है, ताकि गंभीर स्थिति न हो। लेकिन, तय समय पर भी ताला बंद मिलने के कारण मरीजों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। अस्पताल बंद रहने की वजहता – केंद्र पर ताला होने के कारण मरीजों को समय पर उपचार नहीं मिल पाता और उन्हें लंबी दूरी तय कर अन्यत्र जाना पड़ता है।

एक नजर में

शराब के नशे में सड़क पर गिरा शिक्षक, ग्रामीणों ने दुकान में पहुंचाया

विजयपुर, 8 अक्टूबर। विजयपुर से अगरा संकुल केंद्र के अंतर्गत प्राथमिक शाला देहरी में पदस्थ शिक्षक के कथित रूप से शराब के नशे में सड़क पर गिरने का मामला सामने आया है। बताया गया है कि शिक्षक बाइक से पार्वती-बड़ौदा गांव के पास से गुजर रहा था। इसी दौरान अत्यधिक नशे में होने के कारण वह बाइक सहित सड़क पर गिर



पड़ा। सड़क पर शिक्षक को इस हालत में पड़ा देखकर ग्रामीणों ने उसे उठाकर पास की दुकान में पहुंचाया। जानकारी के अनुसार शिक्षक दिलीप जाटव, निवासी निबाही, विजयपुर नगर के वार्ड क्रमांक-7 में रहते हैं और प्राथमिक शाला देहरी में शिक्षक के पद पर पदस्थ हैं। बताया गया कि घटना के दौरान वह बाइक से पार्वती-बड़ौदा

गांव के पास से गुजर रहे थे। इसी दौरान सड़क पर गिरने के बाद ग्रामीणों ने उन्हें उठाकर समीप की दुकान में बैठाया। इसके बाद मामले को लेकर विकासखंड शिक्षा अधिकारी (बीईओ) अशोक दंडौतिया से उनके कार्यालय में जानकारी ली गई। मामले में बीईओ अशोक दंडौतिया ने कहा कि उन्हें मीडिया के माध्यम से एक शिक्षक के शराब पीकर रास्ते में पड़े होने की जानकारी मिली है। वे मामले की जानकारी लेकर संबंधित शिक्षक के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई करेंगे।



भाग स्तरीय बालरंग प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने की सहभागिता

श्योपुर, 08 अक्टूबर। ग्वालियर में आयोजित संभाग स्तरीय बालरंग प्रतियोगिता में सांदीपन विद्यालय, श्योपुर के विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जिले का नाम रोशन किया है। प्रतियोगिता में विद्यालय के पांच विद्यार्थियों ने डॉ. दीक्षा साहू के मार्गदर्शन में विभिन्न विधाओं में भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रभावशाली प्रदर्शन किया, जिसमें चार विद्यार्थियों द्वारा नृत्य, नाटिका एवं सुगम संगीत में प्रमाण पत्र हासिल किये गये। कनिष्ठ वर्ग की नृत्य नाटिका प्रतियोगिता में वैदिका शर्मा, कनक शर्मा एवं प्रंशी बैरवा द्वारा उत्कृष्ट प्रस्तुति देते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया गया। वहीं सुगम संगीत प्रतियोगिता में प्रगति बैरवा ने तृतीय स्थान हासिल कर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों को निर्णायकों एवं उपस्थित दर्शकों ने सराहा। श्योपुर जिले के विद्यार्थियों ने पहली बार संभाग स्तर पर तीन प्रथम श्रेणी के प्रमाण-पत्र एवं ट्रॉफियां हासिल करने में सफलता प्राप्त की है। विद्यार्थियों की सफलता में मार्गदर्शक शिक्षिका डॉ. दीक्षा साहू का महत्वपूर्ण योगदान रहा। उन्होंने विद्यार्थियों को निरंतर अभ्यास, मंचीय प्रस्तुति और आत्मविश्वास के लिए प्रेरित किया। बच्चों ने भी अपनी मेहनत और प्रतिभा के दम पर संभाग स्तर पर अपनी पहचान बनाई। विद्यालय के प्राचार्य श्री खंडेलवाल ने विजेता विद्यार्थियों एवं मार्गदर्शक शिक्षिका को बधाई देते हुए कहा कि विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ-साथ कला, संस्कृति और रचनात्मक गतिविधियों में भी आगे बढ़ने के अवसर मिलना जरूरी है। उन्होंने सभी विद्यार्थियों को भविष्य में भी विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्साहपूर्वक भाग लेने और विद्यालय व जिले का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित किया।

दांतरदा में रक्तदान एवं स्वास्थ्य परीक्षण शिविर संपन्न

श्योपुर, 8 अक्टूबर। कलेक्टर सुश्री दाहिमा के मार्गदर्शन में सेवा संकल्प अभियान के तहत सेवा मेरा योगदान गतिविधि के क्रम में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र दांतरदा में रक्तदान एवं स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित



किया गया। शिविर का शुभारंभ डॉ. किरण मीणा ने रक्तदान कर किया गया। इस अवसर पर जिला नोडल अधिकारी डॉ जेएन सक्सेना, खंड स्तरीय नोडल अधिकारी डॉ. राघवेन्द्र भदोरिया, मेडिकल कालेज से नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. रवि कुमार, मेडिसिन रोग विशेषज्ञ डॉ. दिनेश माहौर, स्त्रीरोग विशेषज्ञ डॉ. श्वेता गर्ग, स्वास्थ्य विभाग के मीडिया अधिकारी श्री शाक्य, संस्था प्रभारी डॉ. शिव मीणा, बीपीएम, बीसीएम आदि उपस्थित रहे। इस अवसर पर 15 यूनिट रक्त का संग्रहण हुआ, सभी रक्तदाताओं को ब्लड बैंक की ओर से प्रशस्ती पत्र प्रदान किये गये। स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा शिविर में 130 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण भी किया गया, जिनमें 32 की नेत्र जांच, 28 महिलाओं की स्त्री रोग जांच, 02 की मानसिक रोग जांच, 26 की बीपी और शुगर जांच तथा 1 रोगी की टीबी स्क्रीनिंग की गई।



वीसी के माध्यम से ग्रामीण विकास विभाग की समीक्षा

नवभारत न्यूज

श्योपुर, 8 अक्टूबर। अपर मुख्य सचिव ग्रामीण विकास विभाग श्रीमती दीपाली रस्तोगी की अध्यक्षता में वीसी के माध्यम से ग्रामीण विकास विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में पंचायत राज अंतर्गत संचालित विभिन्न योजनाओं, ग्रामीण पेयजल आपूर्ति, स्वच्छ भारत मिशन, बीवी जीरामजी अंतर्गत श्रमिक नियोजन, नवीन कार्यों की स्वीकृति, एक बगिया मॉ के नाम योजना की प्रगति आदि बिन्दुओं पर समीक्षा की गई। इसके साथ ही प्रधानमंत्री आवास योजना शक्ति निर्माण अंतर्गत एसएनए स्पर्श के माध्यम से रसोईयों के भुगतान, मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन अंतर्गत लखपति दीदी के चिन्हांकन की प्रगति, प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण अंतर्गत किस्त जारी करने सहित महिला बाल विकास विभाग अंतर्गत पीएम जनमन योजना के तहत स्वीकृत आंगनबाड़ी भवनों के निर्माण की समीक्षा की गई। वीसी के दौरान एनआईसी कक्ष श्योपुर में सीईओ जिला पंचायत श्री जायसवाल, एसीईओ डॉ अजय उपाध्याय, परियोजना अधिकारी श्री जाट, श्री राजपूत आदि उपस्थित थे।

जवाहर नवोदय विद्यालय में दिखा यातायात जागरूकता का असर

550 विद्यार्थियों ने ली नियमों के पालन की शपथ

नवभारत न्यूज

श्योपुर, 8 अक्टूबर। पुलिस अधीक्षक श्री रहमान के मार्गदर्शन और निदेशन में चलाए जा रहे विशेष यातायात प्रवर्तन एवं जनजागरूकता अभियान (28 सितंबर से 8 अक्टूबर) के तहत आज जवाहर नवोदय विद्यालय में एक भव्य जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम में विद्यालय के 550 विद्यार्थियों ने बड़-चढ़कर हिस्सा लिया और यातायात के विभिन्न नियमों व सुरक्षा उपायों की



बारीकी से जानकारी प्राप्त की। याचयात नियमों और सुरक्षा के प्रति छात्र-छात्राओं को किया गया जागरूककार्यक्रम के दौरान थाना प्रभारी यातायात निरीक्षक संजय सिंह राजपूत ने उपस्थित सभी विद्यार्थियों को सड़क सुरक्षा के गुर सिखाए।

उन्होंने सड़क दुर्घटनाओं के आंकड़े, दुर्घटनाओं के मुख्य कारण,

और उनसे बचाव के उपायों पर विस्तार से चर्चा की।

निरीक्षक संजय सिंह राजपूत ने छात्र-छात्राओं को रोड साइन, रोड मार्किंग, ट्रैफिक सिग्नल और पैदल चलते समय बरती जाने वाली सावधानियों के बारे में बताया।

उन्होंने दोपहिया वाहन चलाते समय अनिवार्य रूप से हेलमेट और चार पहिया वाहन चलाते समय सीट

बेल्ट के प्रयोग पर जोर दिया। साथ ही, बच्चों को कानून की जानकारी देते हुए समझाया कि 18 वर्ष की आयु पूरी होने और वैध ड्राइविंग लाइसेंस मिलने के बाद ही वाहन चलाएं।

कार्यक्रम के अंत में सभी विद्यार्थियों और वॉलेंटियर्स को सड़क सुरक्षा नियमों का ईमानदारी से पालन करने की शपथ दिलाई गई।

सड़क परिवहन की इन महत्वपूर्ण योजनाओं की दी गई जानकारी कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं के माध्यम से समाज में जागरूकता फैलाने के लिए सरकार की प्रमुख कल्याणकारी और जीवनरक्षक योजनाओं की

जानकारी साझा की गई। **राहवीर योजना** – सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा शुरू की गई इस योजना के तहत सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल व्यक्ति को ‘गोल्डन ऑवर’ (दुर्घटना के 1 घंटे के भीतर) अस्पताल या ट्रॉमा सेंटर पहुँचाकर उसकी जान बचाने वाले नेक नागरिक को 25,000 रुपये का नकद पुरस्कार और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया जाता है।

इसका मुख्य उद्देश्य सड़क हादसों में मृत्यु दर को कम करना है। हिट एंड रन प्रतिकर योजनारूइस योजना के अंतर्गत अज्ञात वाहन से होने वाली दुर्घटनाओं में यदि 30 दिन के भीतर वाहन का पता नहीं चलता है, तो मृतक के परिजनों को 2,00,000 रुपये तथा गंभीर रूप से घायल व्यक्ति को 50,000 रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है।

थाने द्वारा सूचना दिए जाने के बाद पीड़ित परिवार जिला एसडीएम कार्यालय में इसके लिए आवेदन कर सकता है। पीएम राहत कैशलेस उपचार योजना – इस योजना के माध्यम से सड़क दुर्घटना में घायल किसी भी पीड़ित व्यक्ति का चिन्हित निजी अस्पतालों में डेढ़ लाख रुपये (1.5 लाख) तक का इलाज बिल्कुल मुफ्त किए जाने का प्रावधान है, जिससे समय पर बेहतरन चिकित्सा मिल सके।

चंबल रेत के अवैध भंडारण पर प्रशासन की चुप्पी

श्योपुर, 08 अक्टूबर। जिले के विजयपुर तहसील अंतर्गत रघुनाथपुर क्षेत्र के समतापुरा, पिपरानी और रिझेटा सहित आसपास के ग्रामीण इलाकों में चंबल नदी की रेत के कथित अवैध भंडारण का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। क्षेत्र में खुलेआम रेत के बड़े-बड़े डेर होने के बावजूद जिम्मेदार विभागों द्वारा कोई प्रभावी कार्रवाई न किए जाने से स्थानीय प्रशासन की कार्यप्रणाली और निगरानी व्यवस्था पर बड़े सवाल खड़े हो रहे हैं। चंडियाल विभाग की भूमिका और संरक्षण पर मंडराता खतरा चंबल नदी का यह संपूर्ण क्षेत्र घंडियाल और अन्य दुर्लभ जलीय जीवों के राष्ट्रीय अभयारण्य व संरक्षण की दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। ऐसे संवेदनशील क्षेत्र में अवैध गतिविधियों पर रोक लगाने की मुख्य जिम्मेदारी संबंधित घंडियाल और वन विभाग के अमले की होती है। स्थानीय ग्रामीणों का आरोप है कि क्षेत्र में घड़ह्ले से रेत का अवैध भंडारण किया जा रहा है।

स्वास्थ्य संकेतकों की समीक्षा बैठक आयोजित

नवभारत न्यूज

श्योपुर, 8 अक्टूबर। कलेक्टर सुश्री दाहिमा के मार्गदर्शन में आकांक्षी विकासखंड कार्यक्रम अंतर्गत विकासखंड विजयपुर में स्वास्थ्य विभाग से संबंधित विभिन्न संकेतकों की प्रगति की गुणवत्ता की समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक में जिला कार्यक्रम प्रबंधक डॉ. हेमन्त रावत, जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. मुकेश मीणा, विकासखंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. राघवेंद्र कर्ण, ब्लॉक कार्यक्रम प्रबंधक दिलीप दंडौतिया, आकांक्षी ब्लॉक फेलो अखिलेश तोमर, बीईई मोहम्मद साहिब कूर्देशी सहित स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

बैठक के दौरान गर्भवती माताओं के स्वास्थ्य की नियमित निगरानी एवं एनसीसी सेवाओं की गुणवत्ता पर विशेष जोर दिया गया। संबंधित मैदानी स्वास्थ्य अमले को निर्देश दिए गए कि गर्भवती महिलाओं को उनकी एनसीसी



रिपोर्ट के संबंध में आवश्यक जानकारी सरल भाषा में उपलब्ध कराई जाए तथा रिपोर्ट के आधार पर उचित स्वास्थ्य परामर्श दिया जाए। इससे गर्भावस्था के दौरान संधावित स्वास्थ्य जोखिमों की समय पर पहचान कर आवश्यक उपचार एवं प्रबंधन सुनिश्चित किया जा सकेगा।

बैठक में मैदानी स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को समुदाय के बीच गुटखा एवं तंबाकू सेवन से होने वाले दुष्परिणामों के प्रति व्यापक प्रभावित अभियान चलााने के निर्देश दिए गए। लोगों को तंबाकू

एवं गुटखा सेवन से होने वाले स्वास्थ्य नुकसान को जानकारी देने के साथ ही नशे को आदत छोड़ने के लिए प्रेरित करने पर विशेष ध्यान देने को कहा गया।

इसके साथ ही आकांक्षी विकासखंड कार्यक्रम के अंतर्गत निर्धारित अन्य स्वास्थ्य संकेतकों की प्रगति की भी समीक्षा की गई। अधिकारियों की स्वास्थ्य सेवाओं से संबंधित आंकड़ों को समय पर अपडेट करने तथा निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए प्रभावी मैदानी प्रयास करने के निर्देश दिए गए।

प्रेमी संग मिलकर पति को दिया जहर

धामनी गांव के शैलेंद्र की मौत का मामला, जेट के बेटे की भी बिगड़ी हालत; गुजरात से जुड़ा बताया जा रहा घटनाक्रम

नवभारत न्यूज

विजयपुर, 8 अक्टूबर। गुजरात में सामने आए एक कथित जहरीला पदार्थ खिलाकर हत्या के मामले ने धामनी गांव तक सनसनी फैला दी है। मामले में छाया धाकड़ नाम की महिला का वीडियो सामने आया है, जिसमें उसने कथित तौर पर अपने दूसरे पति शैलेंद्र धाकड़ को प्रेमी आशीष रावत के साथ मिलकर खाने में जहरीला पदार्थ देने की बात कही है। महिला के कथित बयान के अनुसार, इस पूरी घटना की योजना प्रेमी के साथ मिलकर बनाई गई थी।

महिला के अनुसार, आशीष रावत ने धामनी गांव में एक सफेद कागज में कुछ पदार्थ देकर उसे



खाने में मिलाने के लिए कहा था। महिला ने कथित तौर पर वही पदार्थ भोजन में मिला दिया। इसके बाद भोजन करने के बाद शैलेंद्र धाकड़ की तबीयत बिगड़ गई। इसी दौरान जेट के बेटे की हालत भी गंभीर हो गई। बताया गया कि दोनों को उपचार के लिए गुजरात में इलाज कराया गया। हालत गंभीर होने पर शैलेंद्र धाकड़ को आगे उपचार के लिए ग्वालियर ले जाया जा रहा था। इसी दौरान कोटा के पास रास्ते में उसकी मौत हो गई। वहीं जेट के बेटे

मामले में पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

अब जांच में यह स्पष्ट होना बाकी है कि भोजन में वास्तव में कौन-सा पदार्थ मिलाया गया था, उससे शैलेंद्र की मौत हुई या नहीं और घटना में महिला तथा आशीष रावत की वास्तविक भूमिका क्या रही। पोस्टमार्टम रिपोर्ट, विसरा/फॉरेंसिक जांच और पुलिस जांच के बाद ही मौत के कारण तथा कथित जहर की पुष्टि हो सकेगी

एक सफेद कागज, खाने में मिलाया पदार्थ और फिर मौत ...

महिला के कथित बयान से मामले में प्रेमी की भूमिका पर भी सवाल खड़े हुए हैं। पुलिस जांच अब इस बात पर केंद्रित होगी कि सफेद कागज में दिया गया पदार्थ क्या था और शैलेंद्र की मौत का उससे कोई सीधा संबंध था या नहीं।

की हालत गंभीर होने के चलते उसे कोटा में भर्ती कराया गया, जहां उसका उपचार जारी बताया गया। शैलेंद्र की मौत के बाद उसके शव को धामनी लाया गया। इसके बाद सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र विजयपुर में पोस्टमार्टम कराया गया, जिसके बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया।

